राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 28 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 335, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नवरात्रि में मिलावटखोरों पर खाद्य सुरक्षा विभाग का शिकंजा..03

शासकीय कुषाभाउ ठाकरे जिला अस्पताल बना लूट का अड्डा..04

## गेहूं की कटाई के लिए तेल और खाद की आपूर्ति तुरंत बढ़ाए सरकार, सीएम भगवंत मान ने केंद्र के सामने रखीं अपनी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**चंडीगढ़।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारत सरकार से पेट्रोल, डीजल और डीएपी खाद की बढ़ी हुई तथा निर्बाध आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं की कटाई के लिए तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की बाधा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकती है। लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी चीज़ की कोई कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन कटाई और अनाज की ढुलाई को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा समय पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'शुक्रवार शाम को प्रधानमंत्री के साथ एक वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने बताया कि इस वर्ष पंजाब में 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की संभावना है। फसल की सुचारु कटाई और ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल और डीजल की नियमित आपूर्ति बेहद आवश्यक है। कटाई के दौरान बड़ी संख्या में ट्रैक्टर, ट्रॉलियां, हार्वेस्टर और ट्रक इस्तेमाल किए जाते हैं, इसलिए व्यापक जनहित में तेल आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। यह समय की मांग है कि देश की खाद्य सुरक्षा हर हाल में बरकरार रखी जाए। ' लोगों को भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस समय राज्य में 12 से 14 दिनों का पेट्रोल और डीजल तथा लगभग छह दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है, जो सामान्य रूप से पूरे वर्ष समान रहता है। आपूर्ति लगातार जारी है। देश के 41 देशों के साथ आयात समझौते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर 60 दिनों का पेट्रोल-डीजल तथा 30 दिनों का एलपीजी स्टॉक पहले से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि जमाखोरी या घबराहट में खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मुख्य सचिव स्वयं आपूर्ति पर नजर रख रहे हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'गुरुवार तक एलपीजी रीफिल के लिए 71,000 अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें से 69,000 की डिलीवरी की जा चुकी है। राज्य में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की कोई संभावना नहीं है और सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। कुल 1,497 स्थानों पर जांच की गई, जिसमें 301

एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कृषि और उद्योग दोनों को किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल से संबंधित समस्याओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-3321001 शुरू किया गया है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पंजाब की भूमिका का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'वर्तमान स्थिति में पंजाब अपने गोदामों से 41 लाख मीट्रिक टन गेहूं देने के लिए तैयार है, जबकि इस वर्ष 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके अलावा, देश की सेवा के लिए पंजाब 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए भी तैयार है। राज्य ने हमेशा जरूरतमंदों और गरीबों की मदद की है। यदि देश को 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान की आवश्यकता है, तो इसे किसी भी समय उठाया जा सकता है। पंजाब इस समय भी देश का साथ देने की अपनी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखेगा।

तेल कीमतों के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, 'पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त कर कम करने का निर्णय विश्वास बढ़ाने वाला कदम है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को प्राथमिकता के आधार पर डीएपी खाद की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, क्योंकि पंजाब में धान की बुवाई 1 जून से शुरू हो रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी रीफिल की प्रतीक्षा अवधि को 45 दिनों से घटाकर शहरी क्षेत्रों के बराबर 25 दिन किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने पंजाब से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। मैंने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे कूटनीतिक माध्यमों का सक्रिय रूप से उपयोग करें, ताकि देश को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े। भले ही हम 'विश्व गुरु' बनने का दावा करते हैं, लेकिन आवश्यक संसाधनों को सुरक्षित करने में आत्मनिर्भरता और रणनीतिक क्षमता ही हमारी वास्तविक ताकत को दर्शाती है।

## भारतीय सेना की ऐतिहासिक खरीद, JCB से 93 टेलीस्कोपिक हैंडलर्स का सौदा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारतीय सेना ने रक्षा खरीद प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. सेना ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस ( GeM) के माध्यम से अपना पहला पूंजीगत खरीद अनुबंध पूरा किया है. इस कदम को रक्षा खरीद के क्षेत्र में एक अहम मील का पत्थर बताया जा रहा है. यह सेना की आधुनिकीकरण और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण अनुबंध के तहत सेना ने Buy (Indian) श्रेणी के तहत 93 टेलीस्कोपिक हैंडलर्स की खरीद के लिए JCB India Ltd के साथ समझौता किया है. इस सौदे की कुल लागत 25.90 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है. यह उपकरण सेना की लॉजिस्टिक्स और सामग्री प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे

### परिवर्तनकारी बदलाव

त्नद्गरू पोर्टल के जरिए यह खरीद रक्षा अधिग्रहण प्रणाली में एक परिवर्तनकारी बदलाव को दर्शाती है. इस नई व्यवस्था से न केवल खरीद प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि सभी निर्धारित नियमों का पालन भी सुनिश्चित होगा. पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता के कारण भविष्य में भी इस मॉडल को अपनाने की संभावना बढ़ गई है. सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यह खरीद पूंजीगत खरीद के लिए GeM पोर्टल का लाभ उठाकर सेना की अधिग्रहण प्रक्रिया में एक परिवर्तनकारी बदलाव को दर्शाती है।

### समयसीमा में कमी आने की उम्मीद

यह अभूतपूर्व खरीद प्रक्रिया पूंजीगत खरीद के लिए त्नद्गरूपोर्टल का उपयोग करके सेना की अधिग्रहण प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी बदलाव को दर्शाती है. इस पहल से खरीद की समयसीमा में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है, साथ ही निर्धारित प्रक्रियाओं का पूर्ण अनुपालन और प्रक्रियात्मक अखंडता सुनिश्चित होगी. इस पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी-आधारित मार्ग को अपनाकर भारतीय सेना ने महत्वपूर्ण उपकरणों की त्वरित और सुव्यवस्थित खरीद के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त किया है।

### सेना की रसद और सामग्री प्रबंधन क्षमताओं में वृद्धि

यह कदम त्नद्गरूके माध्यम से इसी तरह की खरीद करने के लिए व्यापक संस्थागत महत्व भी रखता है. व्यापक स्तर पर, यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार के प्रयासों को सुदृढ़ करता है और सशस्त्र बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने में भारतीय उद्योग की अधिक भागीदारी को बढ़ावा देता है. इन टेलीस्कोपिक हैंडलर्स की खरीद से विभिन्न परिचालन परिस्थितियों में भारतीय सेना की रसद और सामग्री प्रबंधन क्षमताओं में और वृद्धि होगी।

इन टेलीस्कोपिक हैंडलर्स की खरीद से भारतीय सेना की लॉजिस्टिक्स और सामग्री संभालने की क्षमताएं अलग-अलग तरह के ऑपरेशनल माहौल में और बेहतर होंगी. इन हैंडलर्स का इस्तेमाल मुश्किल इलाकों में सामग्री को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए किया जाता है, जिससे शारीरिक मेहनत कम होती है और काम करने की क्षमता बढ़ती है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### दबंगों ने जबरन जोती किसान की जमीन

**विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी**

**ललितपुर।** थाना क्षेत्र के ग्राम अगोड़ी में दबंगों द्वारा एक किसान की कृषि भूमि पर संगठित रूप से कब्जा करने और विरोध करने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। ग्राम सौजना निवासी लल्लू पुत्र गुमान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि राजस्व ग्राम अगोड़ी में उसकी पत्नी सुमन के नाम 1.277 हेक्टेयर कृषि भूमि दर्ज है। इस भूमि का बंटवारा एसडीएम मड़ावरा के न्यायालय से जनवरी 2025 में हो चुका है और राजस्व टीम द्वारा इसकी पैमाइश भी की जा चुकी है। पीड़ित का आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षीगण उसकी जमीन पर गिद्ध दृष्टि जमाए हुए हैं। पीड़ित के अनुसार, बीती 5 नवंबर 2025 को दोपहर करीब 2.30 बजे ग्राम अगोड़ी निवासी नारायण सिंह, सुम्मेर सिंह, सोवरन सिंह, मोनू सिंह और शिवेन्द्र सिंह ने एक राय होकर जबरन उसकी जमीन जोतकर फसल बो दी थी। जब लल्लू ने खेत पर जाकर उन्हें रोका, तो आरोपियों ने उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि 21 मार्च 2026 की रात को आरोपियों ने खेत में खड़ी गेहूं की फसल भी चोरी-छिपे काट ली। थाना सौजना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी नारायण सिंह, सुम्मेर सिंह, सोवरन सिंह, मोनू सिंह और शिवेन्द्र सिंह के विरुद्ध बीएनएस की धारा 111, 191(2), 329(3), 352 और 351(3) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

### तहसील महरौनी अंतर्गत ग्राम समोगर व सिंदवाहा के खेतों में लगी आग की घटना का जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

**पीढ़ित कृषकों को हुई क्षति के आंकलन हेतु तहसीलदार महरौनी से करायी जांच, जल्द मिलेगी क्षतिपूर्ति राशि**

**ललितपुर।** किसानों की खेत में खड़ी गेहूॅं की फसल व भूसा जलने आदि की घटनाओं को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए सम्बंधित उप जिलाधिकारी व तहसीलदारों को निर्देश दिये हैं कि अपने क्षेत्रान्तर्गत हो रही आग लगने की घटनाओं को मौके पर जाकर जांच करें और फसल खलियान दुर्घटना के अंतर्गत पीढ़ित किसानों को मुआवजा दिलाने की कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी द्वारा दिये गए आदेशों के क्रम में तहसील महरौनी के मौजा समोगर की आ0सं0 1424 व 1426 में खड़ी गेहॅू की फसल व भूसा जलने की घटनाओं में तहसील महरौनी ने जांच कर अवगत कराया है कि दिनांक 27 मार्च 2026 को दोपहर के समय लगभग 2:00 बजे खेतों में अज्ञात कारणों से आग लगने से कुछ किसानों की गेहूॅं की फसल व भूसा जलकर नष्ट हो गया है।

## UP- इनवेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों की ठगी, फिर देश छोड़कर भागा... सऊदी अरब से लौटते ही पुलिस ने दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने करोड़ों की ठगी करने वाली 25 हजार के इनामी ठग सऊदी अरब से लौटते ही दबोच लिया. बताया जा रहा है कि इस शातिर ठग ने फर्जी कंपनियां बनाकर सैकड़ो लोगों के करोड़ों रुपए ठगे हैं. आरोपी ने हर महीने 10 प्रतिशत का लालच देकर लोगों से अपनी कंपनी में इन्वेस्ट कराया था, जिसके बाद ये सारा पैसा इक्कठा कर विदेश भाग गया था. सहारनपुर निवासी हाजी इकराम ने 'स्टेप फार्मिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' नाम से एक फर्जी कंपनी बनाई थी. इकराम ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के सैकड़ों लोगों को हर महीने 10 प्रतिशत का लालच देकर अपनी कंपनी में करोड़ों रुपए इन्वेस्ट कराए थे. जिसके बाद ये शातिर ठग सारा पैसा बटोर कर अपनी पत्नी के साथ 2025 में सऊदी अरब भाग गया था. मुजफ्फरनगर के 42 व्यापारियों से भी इस ठग ने 3 करोड़ रुपए की ठगी की है, जिन्होंने पुलिस को शिकायत देकर इस मामले में कार्रवाई की मांग की थी।

### 25 हजार का इनाम था घोषित

पुलिस ने तुरंत हाजी इकराम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था. ठगी करके भागा आरोपी ईद मनाने के लिए भारत पहुंचा था. इस बात की जानकारी होते ही पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई. गुरुवार को सिविल लाइन थाने की पुलिस ने मॉल रोड से ठग को गिरफ्तार कर लिया. इसके पास से एक लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, 5 सिम और एक पासपोर्ट भी बरामद किया गया है।

### करोड़ों की ट्रांजैक्शन के मिले सबूत

इस पासपोर्ट से ये शातिर ठग सऊदी अरब, नेपाल और दुबई की यात्रा कर चुका है, जिसकी भी जांच पुलिस कर रही है. पुलिस के आला अधिकारियों के अनुसार, इस शातिर अभियुक्त ने सैकड़ो लोगों से करोड़ों रुपए ठगी की है. इसके खाते से 80 करोड रुपए की ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं. पुलिस आरोपी की संपत्ति को जब्त कर पीड़ितों को उनका पैसा दिलाने की प्रयास करेगी. एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि एक व्यक्ति जिसका नाम हाजी इकराम है. वर्मी कंपोस्ट के नाम पर लोगों से अपनी कंपनी में इनवेस्ट कराया था. हर महीने 10 प्रतिशत प्रॉफिट देने का वादा किया था, लेकिन एक भी रुपए वापस नहीं दिए।

### 25 हजार का इनामी ठग अरेस्ट

इस संबंध में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी. 2025 में आरोपी की गैरहाजरी में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई थी. उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था. वह देश छोड़कर भाग गया था. पुलिस लगातार उस पर नजर बनाए हुए थे. मुजफ्फरनगर आते ही सिविल लाइन थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार जेल भेज दिया है. आरोपी के खिलाफ यह कोई पहला मामला नहीं, इससे पहले भी उसके खिलाफ 6 से 7 मुकदमे दर्ज हैं।

## कानपुर फर्जी मार्कशीट रैकेट: जामिया उर्दू कर्मी शोएब की तलाश में एसआईटी टीमें अलीगढ़ रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कानपुर।** नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालय की फर्जी मार्कशीट और डिग्री बनाने वाले गिरोह से जुड़े बिचौलिए एक-एक करके सामने आ रहे हैं। एसआइटी अब तक सरगना समेत छह आरोपितों को जेल भेज चुकी है। शुक्रवार को पुलिस ने चमनगंज के शेखू उर्फ मो.अजहरूद्दीन खान को जेल भेजा था, जो अलीगढ़ के जामिया उर्दू कालेज से 10वीं और 12वीं की मार्कशीट बनवाता था।

पूछताछ में उसने कालेज के संविदाकर्मी अलीगढ़ निवासी शोएब के नाम का राजफाश किया था। बताया था कि वह रुपये लेकर उसे मार्कशीट उपलब्ध कराता था। इसके बाद एसआइटी उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। शनिवार को उसकी तलाश में दो टीमें रवाना की गई है। एसआइटी प्रभारी का कहना है कि शोएब की गिरफ्तारी के बाद गिरोह से जुड़े कालेज स्टाफ के चेहरे बेनकाब हो सकेंगे।

किदवई नगर पुलिस ने 18 फरवरी को जूही गौशाला स्थित शैल ग्रुप आफ

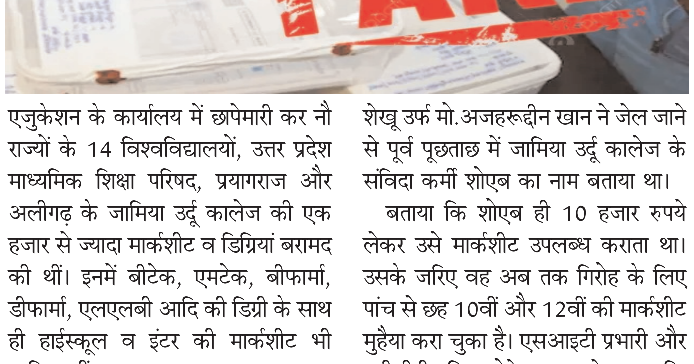


एजुकेशन के कार्यालय में छापेमारी कर नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज और अलीगढ़ के जामिया उर्दू कालेज की एक हजार से ज्यादा मार्कशीट व डिग्रियां बरामद की थीं। इनमें बीटेक, एमटेक, बीफार्मा, डीफार्मा, एलएलबी आदि की डिग्री के साथ ही हाईस्कूल व इंटर की मार्कशीट भी शामिल थीं।

इनमें सरगना शैलेंद्र कुमार ओझा, नागेश मणि त्रिपाठी, जोगेंद्र, अश्वनी कुमार सिंह, नोएडा के विनीत और चमनगंज निवासी शेखू उर्फ मो.अजहरूद्दीन खान को जेल भेजा जा चुका है। इनमें से विनीत और शेखू उर्फ मो.अजहरूद्दीन खान गिरोह के लिए बिचौलिए का काम करते थे। वहीं, शेखू उर्फ मो.अजहरूद्दीन खान ने जेल जाने से पूर्व पूछताछ में जामिया उर्दू कालेज के संविदा कर्मी शोएब का नाम बताया था।

बताया कि शोएब ही 10 हजार रुपये लेकर उसे मार्कशीट उपलब्ध कराता था। उसके जरिए वह अब तक गिरोह के लिए पांच से छह 10वीं और 12वीं की मार्कशीट मुहैया करा चुका है। एसआइटी प्रभारी और एडीसीपी दक्षिण योगेश कुमार ने बताया कि शोएब की गिरफ्तारी के बाद गिरोह से जुड़े कई और राजफाश हो सकेंगे। इसमें खासकर ऐसे कालेज कर्मचारी के नाम सामने आ सकते हैं, जोकि पर्दे के पीछे रहकर गिरोह के लिए काम कर रहे थे। फिलहाल शोएब की गिरफ्तारी के लिए दो टीमों को रवाना किया गया है।

## प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास, विश्वास की नई पहचान बनकर उभरा : पंकज चौधरी

**लखनऊ-** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज विकास, विश्वास और वैश्विक संभावनाओं की नई पहचान बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन किया। भाजपा मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, चौधरी ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन केवल एक आधारभूत परियोजना का लोकार्पण नहीं बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भविष्य, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊंचाई देने वाला ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, 'यह हवाई अड्डा प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और उत्तर प्रदेश को देश के सबसे विकसित राज्यों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।'

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे प्रदेश के लिए उद्योग, व्यापार, पर्यटन, निर्यात, लॉजिस्टिक्स, निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि इससे गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण क्षेत्र सहित आसपास के अनेक जिलों में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। चौधरी ने कहा कि यह परियोजना लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगी, किसानों को बाजार से जोड़ेगी, व्यापारियों को नई सुविधा देगी और निवेशकों के लिए उत्तर प्रदेश को अधिक आकर्षक बनाएगी। उन्होंने कहा कि आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रैपिड रेल, मेट्रो परियोजनाएं, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और लगभग पूर्णता की ओर बढ़ रहा गंगा एक्सप्रेसवे, ये सभी मिलकर विकास की एक नई संरचना तैयार कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि उत्तर प्रदेश को विकास, आधुनिकता, आत्मनिर्भरता व सुशासन का राष्ट्रीय मॉडल बनाया जाए और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा उसी परिवर्तनकारी यात्रा का एक ऐतिहासिक अध्याय है।

## स्कूटर को लेकर विवाद में दुकानदार से मारपीट, तोड़फ़ोड़

**ललितपुर।** कोतवाली थाना क्षेत्र में स्कूटर को लेकर हुए विवाद ने मारपीट और तोडफ़ोड़ का रूप ले लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद व अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, व्ही. बाजार के सामने दुकान चलाने वाले अवनीश कुमार पुत्र कपूर चंद्र ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च 2026 को दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी श्रेय जैन पुत्र संजीव कुमार जैन उनका स्कूटर लेकर चला गया। काफी देर बाद स्कूटर वापस आने पर जब उन्होंने आपत्ति जताई तो आरोपी अपने साथियों के साथ दुकान में घुस आया। आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए दुकान में तोडफ़ोड़ की और पीड़ित के साथ लात-घूंसों से मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए दुकान खाली कराने की भी बात कही। घटना को आसपास के दुकानदारों ने भी देखा।

## श्यामसुंदर हत्याकांड में छह दोषियों को 10-10 वर्ष की कैद, जमीन विवाद में पिटाई के बाद हुई थी मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सोनभद्र।** साढ़े 10 वर्ष पूर्व हुए श्यामसुंदर हत्याकांड के मामले में सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने सुनवाई करते हुए शनिवार को दोषसिद्ध पाकर छह दोषियों घोरावल के बेलखुरी गांव निवासी गरीब, रामअवतार, मोहनलाल, रामलाल, मन्नीलाल शर्मा व नंदलाल को 10-10 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर प्रत्येक को तीन-तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक गोविंद कुमार निवासी बेलखुरी थाना घोरावल ने छह जून 2015 को तहरीर दिया कि सुबह करीब आठ बजे जमीन कब्जा करने के विवाद को लेकर उसके पड़ोसी गरीब, रामअवतार, मोहनलाल, रामलाल, मन्नीलाल शर्मा व नंदलाल उसे लाठी-डंडे से मारने पीटने लगे।

शोरगुल सुनकर उसे बचाने आए पिता लालमनी व भाई श्यामसुंदर को भी बेरहमी से मारा पीटा। इलाज के दौरान श्यामसुंदर की मौत हो गई। पुलिस ने इस

तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात छहों दोषियों को उपरोक्त सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से बहस जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने की।

### क्रॉस केस करने वाले तीन दोषियों को 5-5 वर्ष की कैद

साढ़े 10 वर्ष पूर्व हुए मारपीट के क्रास केस मामले में सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने सुनवाई करते हुए शनिवार को दोषसिद्ध पाकर तीन दोषियों लालमनी, राजेश व गोविंद को पांच-पांच वर्ष की कैद व तीन-तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर तीन-तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रामअवतार निवासी बेलखुरी, थाना घोरावल ने छह जून 2015 को तहरीर दिया कि सुबह आठ बजे उसका पड़ोसी लालमनी उसके घर दरवाजे पर चढ़कर गाली देने लगा। जब मना किया तो लालमनी, राजेश व गोविंद उसे लाठी-डंडे से मारने लगे। जब शोरगुल सुनकर उसका भाई बचाने आया तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोषी पाकर सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से बहस जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने की।

# मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा के सर्वकालिन प्रतिमान प्रभु श्री राम

रामनवमी का पावन पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मर्यादा, धर्म और आदर्श जीवन मूल्यों की स्मृति का दिवस है। इस दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ, जिन्हें भारतीय संस्कृति में 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। श्रीराम का जीवन केवल कथा नहीं, बल्कि आचरण का ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो युगों-युगों तक मानवता को मार्ग दिखाता रहेगा।

भगवान श्रीराम का चरित्र त्याग, कर्तव्य और सत्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी उन्होंने पिता के वचन की रक्षा के लिए बिना किसी संकोच के चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार कर लिया। यह त्याग केवल एक पुत्र का नहीं, बल्कि आदर्श मानव का परिचायक है, जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि मानता है।

श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। वनवास के कठिन जीवन में भी उन्होंने धैर्य, संयम और सहनशीलता का परिचय दिया। राक्षसों का विनाश कर उन्होंने न केवल ऋषियों की रक्षा की, बल्कि यह संदेश भी दिया कि अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। भगवान श्रीराम एक आदर्श पुत्र ही नहीं, बल्कि आदर्श भाई, पति और राजा भी थे। अपने भाइयों के प्रति उनका स्नेह, विशेषकर लक्ष्मण और भरत के साथ उनका संबंध, प्रेम और त्याग की सर्वोत्तम मिसाल है। माता सीता के प्रति उनकी निष्ठा और सम्मान भारतीय पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है। जब श्रीराम अयोध्या के राजा बने, तब उन्होंने 'रामराज्य' की स्थापना की, जो न्याय, समानता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। उनके शासन में प्रजा सुखी और संतुष्ट थी, जहाँ हर व्यक्ति को न्याय मिलता था। आज भी 'रामराज्य' को आदर्श शासन व्यवस्था के रूप में देखा जाता है। रामनवमी का यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि श्रीराम के आदर्श केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि जीवन में अपनाने के लिए हैं। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब श्रीराम के सत्य, त्याग, मर्यादा और कर्तव्य के सिद्धांत पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।

अंततः, भगवान श्रीराम का जीवन हमें यह संदेश देता है कि सच्चा सुख बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने और सत्य के मार्ग पर चलने में है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम भी श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज को एक बेहतर दिशा देने का प्रयास करेंगे। राम केवल एक नाम नहीं, एक आदर्श है जो हर युग में, हर मन में जीवित रहता है।

**संजीव ठाकुर**

# आपदा में मुनाफा कमाने वालों पर राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज हो

मध्य-पूर्व एशिया के देशों से दुनिया में 40% कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और एशिया महाद्वीप के चीन, भारत, जापान, कोरिया सहित कई देशों की ऊर्जा जरूरतों के लिए कच्चे तेल की 60-70% निर्भरता मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशों पर ही है। ईरान की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि उसकी सीमा से एक महत्वपूर्ण समुद्री शॉर्टकट मार्ग निकलता है, जो महासागरीय व्यापार की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। पिछले चार सप्ताह से अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के साथ चल रहा युद्ध, जिसमें अभी तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकले हैं, ने भारत सहित समूचे विश्व के अधिकांश देशों में तेल और गैस संकट की आशंका को बढ़ा दिया है। ईरान अपनी सीमा से अमेरिका समर्थित देशों को कच्चे तेल के परिवहन की अनुमति नहीं दे रहा है, जिससे यह संघर्ष अब अमेरिका की वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। वहीं, इजराइल के लिए इस प्रकार के युद्ध कोई नई बात नहीं है।

ईरान-अमेरिका के इस लंबे संघर्ष ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति को प्रभावित किया है। भारत, जो विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश है, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 60% से अधिक हिस्सा मध्य-पूर्व से आयात करता है, और इसका एक बड़ा भाग हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से आता है। भीषण युद्ध और बाधित मार्गों के बावजूद, भारत सरकार की सशक्त विदेश नीति के कारण भारतीय तिरंगे वाले जहाज कच्चा तेल और गैस लेकर देश तक पहुँच रहे हैं। ऐसे वैश्विक संकट के समय प्रत्येक भारतीय को अपनी सरकार पर विश्वास और गर्व होना चाहिए। कोरोना महामारी के दौरान भी भारत ने न केवल स्वयं को संभाला, बल्कि विश्व को संकट प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। वर्तमान युद्ध परिस्थितियों को देखते हुए एक बार फिर कच्चे तेल और गैस की कमी की आशंका है। ऐसे में केंद्र सरकार को सक्रिय होकर देश के नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आवश्यक कठोर कदम उठाने होंगे।

कोविड काल में कुछ असामाजिक तत्वों ने खाद्य वस्तुओं की कृत्रिम कमी की अफवाह फैलाकर गरीब और मध्यम वर्ग का शोषण किया था। अब पुनः इस युद्ध की आड़ में कुछ लोग आपदा को अवसर बनाकर मुनाफाखोरी की तैयारी में हैं। पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर बढ़ती भीड़ इसी ओर संकेत करती है। अतः केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर तक सख्ती से निगरानी रखें और आपदा के समय आम जनता का शोषण करने वाले लोगों के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह जैसे कठोर प्रावधानों के तहत कार्रवाई करें, ताकि ऐसे तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

साथ ही, यदि सरकार कच्चे तेल और गैस की खपत को नियंत्रित करना चाहती है, तो अप्रैल-मई की भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए स्कूल, कॉलेज और छात्रावासों को अस्थायी रूप से बंद करने, तथा अनावश्यक रूप से चलने वाले वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण रखने तथा आवश्यकता अनुसार सीमित लॉकडाउन जैसे कदम भी राष्ट्रहित, जनहित और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। आपदा के समय संयम, सजगता और कठोर प्रशासनिक कार्रवाई ही देश को संकट से उबार सकती है।

**अरविंद रावल**

# पश्चिम एशिया का संघर्ष और युद्धविराम की शर्तें- न्याय, रणनीति और वास्तविकता के बीच संतुलन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि कूटनीति, आर्थिक दबाव और वैश्विक हितों का भी खेल होता है। 26 दिनों से चल रहे इस संघर्ष में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान को भेजा गया 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव और उसके जवाब में ईरान की पांच शर्तें इस पूरे परिदृश्य को और जटिल बनाती हैं। सवाल यह है कि क्या ये शर्तें न्यायसंगत हैं या केवल रणनीतिक दबाव बनाने का माध्यम?

अमेरिकी प्रस्ताव में ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाने की बात प्रमुख रूप से सामने आती है। यह मांग नई नहीं है। लंबे समय से अमेरिका और उसके सहयोगी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा मानते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में ईरान के कार्यक्रम को सीमित करने की बात भी इसी सोच का हिस्सा है। पहली नजर में यह मांग तर्कसंगत लग सकती है, क्योंकि परमाणु हथियारों का प्रसार किसी भी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। लेकिन दूसरी ओर, ईरान का तर्क है कि उसे अपनी संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। यदि अन्य देशों के पास मिसाइल और रक्षा प्रणाली है, तो केवल ईरान पर प्रतिबंध लगाना क्या न्यायसंगत कहा जा सकता है? यहीं से इस विवाद का मूल प्रश्न उठता है—क्या वैश्विक नियम सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं या शक्तिशाली देशों के हितों के अनुसार तय किए जाते हैं? ईरान की नजर में अमेरिकी प्रस्ताव एकतरफा है, जिसमें उसे अपनी सामरिक ताकत छोड़ने के लिए कहा जा रहा है, जबकि बदले में केवल प्रतिबंधों में राहत और कुछ आर्थिक सहयोग का वादा किया जा रहा है। यह सौदा ईरान के लिए असंतुलित प्रतीत होता है।

दूसरी तरफ, ईरान की शर्तें भी कम कठोर नहीं हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने अधिकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की मांग इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। यदि इस पर किसी एक देश का प्रभुत्व मान लिया जाए, तो यह न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में ईरान की यह मांग कई देशों के लिए स्वीकार्य नहीं होगी, क्योंकि इससे ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर पड़ेगा। ईरान द्वारा युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई की मांग भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। किसी भी युद्ध में नागरिकों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान होता है, और अंतरराष्ट्रीय कानून भी यह मानता है कि आक्रामक पक्ष को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लेकिन यहां समस्या यह है कि दोनों पक्ष खुद को पीड़ित और दूसरे को आक्रामक बताते हैं। ऐसे में मुआवजे का निर्धारण एक जटिल और विवादास्पद प्रक्रिया बन जाता है। ईरान की यह शर्त कि भविष्य में उस पर फिर से युद्ध न थोपा जाए, सैद्धांतिक रूप से उचित लगती है। हर देश अपनी सुरक्षा और स्थिरता चाहता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ऐसी गारंटी देना लगभग असंभव होता है। इतिहास गवाह है कि समझौतों और संधियों के बावजूद युद्ध होते रहे हैं। इसलिए यह मांग व्यावहारिक कम और आदर्शवादी अधिक प्रतीत होती है।

इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण पहलू है—विश्व राजनीति का शक्ति संतुलन। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा करे। वहीं ईरान जैसे देश के लिए अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव बनाए रखना उतना ही महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि दोनों पक्षों की शर्तें अपने-अपने दृष्टिकोण से सही लगती हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अस्वीकार्य बन जाती हैं। अगर निष्पक्ष रूप से देखा जाए, तो दोनों पक्षों की शर्तों में कुछ उचित तत्व हैं और कुछ अतिशयोक्तिपूर्ण भी। अमेरिका की यह मांग कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को पूरी तरह बंद कर दे, एकतरफा दबाव की तरह दिखती है। वहीं ईरान की यह जिद कि उसे होर्मुज पर पूर्ण अधिकार दिया जाए, वैश्विक संतुलन के लिए खतरा बन सकती है। इसी तरह मुआवजे और भविष्य में युद्ध न होने की गारंटी जैसी शर्तें नैतिक रूप से सही होते हुए भी व्यावहारिक कठिनाइयों से भरी हैं।

वास्तविक समाधान इन चरम स्थितियों के बीच कहीं छिपा हुआ है। किसी भी स्थायी शांति के लिए जरूरी है कि दोनों पक्ष कुछ समझौते करें। ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उसे पारदर्शी और सीमित करने पर सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी उसे सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की ठोस गारंटी दे सकते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र के लिए बहुपक्षीय नियंत्रण या अंतरराष्ट्रीय निगरानी एक बेहतर विकल्प हो सकता है, जिससे किसी एक देश का प्रभुत्व स्थापित न हो। अंततः यह कहा जा सकता है कि युद्धविराम की वर्तमान शर्तें न पूरी तरह सही हैं और न पूरी तरह गलत। वे दोनों पक्षों की रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय हितों का प्रतिबिंब हैं। लेकिन यदि इन शर्तों पर जिद बनी रही, तो शांति की संभावना कमजोर होती जाएगी। इतिहास यही सिखाता है कि युद्ध का अंत केवल शक्ति से नहीं, बल्कि समझदारी और संतुलित समझौतों से होता है। पश्चिम एशिया में स्थायी शांति तभी संभव है जब दोनों पक्ष अपने अधिकतम लाभ के बजाय साझा हितों को प्राथमिकता दें।

**कांतिलाल मांडोत**

# संपादकीय

## लद्दाख की बेचैनी को समझना होगा

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जिनके जीवन से प्रेरित फ़िल्म 3 इडियट्स बनी थी, रिहा होकर लेह लौट आएं हैं। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा क़ानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था और जोधपुर जेल में रखा गया था। इस क़ानून के तहत किसी को अधिकतम 12 महीने हिरासत में रखा जा सकता है पर सुप्रीम कोर्ट में गिरफ्तारी की वकालत करने के बाद सरकार ने वांगचुक को 169 दिन के बाद रिहा कर दिया।जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो बताया गया कि वह 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियों' में संलिप्त हैं जिस बात से देश में शायद ही कोई सहमत हो। बहुत लोग तो उन्हें राष्ट्रीय ख़ज़ाना मानते हैं। और अगर वह वास्तव में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त थे तो छोड़ा क्यों गया? सारे मामले से सरकार सही ढंग से नहीं निबटी और जो देश का एक प्रकार से सबसे शांत क्षेत्र था,लद्दाख, उसे बेचैन छोड़ दिया गया है। लद्दाख के बौद्ध और कारगिल के मुसलमान जो सदा एक दूसरे के विरोधी रहे हैं अब केन्द्र सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। जिस उपराज्यपाल के समय वांगचुक को गिरफ्तार किया गया था को तो अब बदल दिया गया है। नए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रिहाई का स्वागत करते हुए कहा है कि वहां 'आंदोलन और हिंसा की कोई जगह नहीं'। जहां तक हिंसा का सवाल है मैं उनकी बात से बिलकुल सहमत हूं। एक सभ्य समाज में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए पर शांतिमय आंदोलन पर आपत्ति क्यों हो? आंदोलन करना हमारे मूल अधिकारों का हिस्सा है। हमने तो आज़ादी आंदोलन के द्वारा प्राप्त की थी।

लद्दाख जैसा देश में कोई प्रदेश नहीं है। इसकी अद्भुत पर कठोर प्राकृतिक सुन्दरता मंत्रमुग्ध करने वाली है। ऊंचे पहाड़ हैं जिन पर कुछ नहीं उगता। इसे ठंडा रेगिस्तान भी कहा जाता है। बीच में से शांत सिंधु और जांस्कर नदियां बहती है। 13000-14000 फुट की ऊंचाई पर घाटी स्थित है। आक्सीजन की कमी के कारण कई बाहरी लोगों को समस्या आती है। दुनिया की सबसे ऊंची झील पैंगोंग यहां है जिसको लेकर भारत और चीन के बीच तनातनी रहती है। क्षेत्र अपनी बौद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है इसलिए शांत है। इसके गोम्पा (मठ) के अंदर अत्यंत शांत वातावरण होता है और बाहर से गए व्यक्ति को लगता है कि वह इस शान्ति का उल्लंघन कर रहा है। पर यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील भी है क्योंकि चीन के साथ हमारी लम्बी सीमा है जहां लगातार झड़पें होती रहती हैं। हमें वहां के लोगों का अधिक सहयोग चाहिए जो गोली चलाने से नहीं मिलेगा।

घटनाक्रम कुछ इस प्रकार का है। 2019 में सरकार ने जम्मू-कश्मीर पर लागू धारा 370 तथा 35 निरस्त कर दिए थे। जब लद्दाख को जम्मू कश्मीर से अलग कर केन्द्रीय शासित प्रदेश बना दिया तो बौद्ध बहुसंख्या वाले लेह ज़िले ने जश्न मनाया। दशकों से उनकी यह मांग थी। लेकिन एक साल के अंदर-अंदर यह उत्साह ठंडा पड़ गया। 35 को निरस्त करने से क्षेत्र में रोज़गार, ज़मीन की मिल्कियत, और बाहरी लोगों के प्रवेश की आशंका को लेकर बेचैनी शुरू हो गई। पूर्व राजदूत पी स्टोबडन जो लद्दाखी हैं ने लिखा है, 'जश्न जल्द संवैधानिक संरक्षण की माँग में बदल गया। जो आज़ादी का जोश था उसकी जगह सुरक्षा की तलाश ने ले ली '। बाहर से गए अधिकारी इस असुरक्षा की भावना को समझ नहीं सके और पहली बार नौबत यहां तक पहुंच गई कि गोली चलानी पड़ी, चार लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। अधिकारियों का कहना था कि सेल्फ़ डिफ़ेंस में गोली चलानी पड़ी। हो सकता है कि उनकी बात सही हो, पर ऐसी हालत ही क्यों बनने दी गई कि 'सेल्फ़ डिफ़ेंस' में गोली चलानी पडे?

अगर लोगों की मांग व्यावहारिक नहीं है तो समझाने की ज़रूरत है। लद्दाख के लोगों की मूल मांगों में स्टेटहुड और संविधान के छठे शेड्यूल में शामिल करना है। वह अपनी ज़मीन पर अपना अधिकार सुरक्षित चाहते हैं। तीन लाख लोगों की आबादी वाले प्रदेश को स्टेटहुड नहीं दिया जा सकता। छठा शेड्यूल आदिवासी क्षेत्रों की व्यवस्था के लिए है जैसे मेघालय, त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम में है। इसे उत्तर पूर्व के कुछ हिस्सों के लिए बनाया गया था। मणिपुर में यह अभी भी लागू नहीं किया गया। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में इसे देने का वादा किया था पर अब केन्द्र सरकार ने मन बदल लिया लगता है। इस पर फिर से विचार होना चाहिए। केन्द्र सरकार ने लद्दाख की खुले दिल से मदद की है। 2019 से पहले प्रदेश को केन्द्र से केवल 57 करोड़ रुपए वार्षिक मिलते थे जो अब बढ़ कर 6000 करोड़ रुपए हो गए है। इतनी भारी मदद के बावजूद असंतोष है। छह साल से वह लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित हैं। कोई निर्वाचित विधानसभा नहीं है। निर्णय दिल्ली से भेजे प्रशासक ले रहे हैं जिन्हें स्थानीय संवेदनाओ, ज़रूरतों और संस्कारों के बारे कोई ज्ञान नहीं है। उपर से बढ़ती बेरोज़गारी के कारण युवाओं में असंतोष है। परिणाम लेह जैसे शांतिमय शहर में लोगों के असंतोष का विस्फोट हो गया।

इस सब के केन्द्र में सोनम वांगचुक हैं। वह अपनी मांगों के लिए दिल्ली तक पदयात्रा कर चुके हैं। लद्दाख पहुंच कर उन्होंने भूखहड़ताल शुरू कर दी जिसके 15वें दिन स्थिति हाथ से निकल गई और लेह में हिंसा भड़क उठी। सारे लद्दाख में बेचैनी फैल गई और लद्दाखी संगठनों ने केन्द्र के साथ बातचीत बंद कर दी। दूसरा परिणाम यह हुआ कि सोनम वांगचुक जो प्रदर्शन का चेहरा थे को रासुका के अधीन गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर हिंसा उकसाने का आरोप लगाया गया जिसका वह ज़बरदस्त प्रतिवाद करते हैं। वांगचुक ने ज़रूर अपने भाषणों में नेपाल के 'जैन ज़ैड' और 'अरब स्प्रिंग' का ज़िक्र किया था। बेहतर होता कि कोई उन्हें सावधान करता कि यह अनुचित है।

वहां प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई गई। यह कितनी बड़ी त्रासदी थी यहसेवांग थरचिन की मौत से पता चलता है। वह फ़ौजी था और उसका परिवार भी फ़ौजी है। उसके पिता ने कारगिल की लड़ाई में हिस्सा लिया था। वह बताते हैं, 'यह कैसे हुआ गलवान के समय भी चीनियों ने ऐसे गोली नहीं चलाई थी। यहां तो पुलिस ने अपने लोगों पर गोली चला दी। आम तौर पर फ़ायरिंग पहले हवा में की जाती है फिर घुटनों के नीचे। मेरे बेटे को तो ज़मीन में ?िलटा कर गोली मारी गई '। सेवांग का भाई कहता है कि 'मैं बता नहीं सकता कि वह कितना बड़ा देश भक्त था। उसने जल्दी रिटायरमेंट ले ली ताकि वह अपने तीनों बच्चों को सैनिक स्कूल भेज सके '। लेह के पुलिस चीफ़ का कहना था कि अगर गोली न चलाते तो 'लेह को आग लग जाती '। उनकी बात सेवांग के परिवार के कथन से मेल नहीं खाती। स्पष्ट है कि प्रशासन ने स्थिति को सही नहीं सम्भाला और जो क्षेत्र देशभक्तों का क्षेत्र है, जो सेना में लोग भेजता है, उसे जज्मा कर दिया गया है। यह मणिपुर नहीं है जहां दो जातियां लड़ रहीं हैं। यहां संवाद कर और किसी प्रकार का प्रतिनिधित्व दे कर मामला सुलझाया जा सकता था। हर जगह प्रशासनिक हथौड़ा नहीं चलना चाहिए।

मेजर जनरल बख्शी जो कभी मोदी सरकार के प्रशंसक रहे हैं पर अब आलोचक हैं, ने बताया है, 'लद्दाख के लोग बहुत सीधे और प्यार वाले है। बौद्ध होने के कारण वह बहुत दयालु हैं फिर भी वह दुनिया में सबसे बढ़िया पहाड़ी सैनिक हैं। उन्होंने भारत की सुरक्षा के लिए जानें दी हैं। अशोक चक्र तक सम्मान उन्हें मिले हैं '। लद्दाखी कहते हैं कि हम सेना के साथ साझेदारी करते हैं, उनके हर कदम पर साथ देते हैं। बहुत दुख है कि ऐसे लोगों पर गोली चलाई गई। हमें तो इस नाजुक क्षेत्र,जिसकी सीमा चीन और पाकिस्तान से लगती है, के देशभक्त लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। हिंसा ग़लत है पर वहां तक नौबत नहीं आनी चाहिए थी। मेजर जनरल बख्शी का कहना है, 'भगवान के लिए हम इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती प्रदेश के प्रति उदासीन नहीं हो सकते '।

लद्दाख में भी विरोधाभास है। एक तरफ़ वह तरक्की चाहते हैं। और पर्यटक चाहते हैं पर उन्हें यह भी घबराहट है कि बाहरी लोग उनकी संस्कृति को मिटा रहे हैं। बाहरी लोग ज़मीनें ख़रीद रहे हैं। वांगचुक ने भी कहा है कि 'संघर्ष पर्यावरण, संस्कृति, नदियों, ग्लेशियर और लोगों के लिए है '। अब उनकी रिहाई से पता चलता है कि केन्द्रीय सरकार फिर संवाद क़ायम करना चाहती है। वांगचुक भी ले दे कर मसला खत्म करना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्य सचिव सी फ़ुंतसौंग ने कहा है कि 'लद्दाख की भौगोलिक स्थिति और चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा के कारण अशान्ति को बढ़ने नहीं देना चाहिए '। चीन के साथ फिर टकराव हो सकता है इसलिए क्षेत्र में शान्ति चाहिए। वहां के लोग बाग़ी नहीं है। भारत की विभिन्नता हमारी कमजोरी नहीं, ताक़त है। आगे का रास्ता विरोध दबाने का नहीं हो सकता। क्षेत्र की शान्ति और स्थिरता के लिए उच्च स्तर पर संवाद चाहिए।

# श्री रामनवमी: आत्मशुद्धि और आदर्श जीवन की ओर एक कदम

भारतीय संस्कृति की विशालता और उसकी गहराई का अनुमान उन पर्वों से लगाया जा सकता है जो न केवल कैलेंडर की तिथियों को परिभाषित करते हैं, बल्कि जनमानस के हृदय में नैतिकता और धर्म के बीज बोते हैं। इन्हीं पर्वों में रामनवमी का स्थान अत्यंत गरिमामयी और पवित्र है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह उस मर्यादा और आदर्श का उत्सव है जिसने युगों-युगों से मानवता को दिशा दी है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, इसी पावन तिथि पर अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के आंगन में भगवान विष्णु ने अपने सातवें अवतार, श्री राम के रूप में जन्म लिया था। उनके जन्म का मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर बढ़ते हुए अधर्म का विनाश करना और एक ऐसी व्यवस्था की स्थापना करना था जहाँ सत्य, न्याय और करुणा सर्वोपरि हों। रामनवमी का पर्व वसंत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म के आगमन की संधि पर आता है, जो प्रकृति में भी एक नए उत्साह और ऊर्जा का संचार करता है। भगवान राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है, जिसका अर्थ है वह पुरुष जो मर्यादाओं में श्रेष्ठ हो। उनका संपूर्ण जीवन एक खुली पुस्तक की भांति है, जो हमें सिखाता है कि शक्ति का सदुपयोग और पद की गरिमा कैसे बनी रहनी चाहिए। रामनवमी पर जब हम उनके जन्म की कथा पढ़ते हैं, तो हमें बोध होता है कि वे केवल एक राजा नहीं, बल्कि एक पुत्र के रूप में आज्ञाकारिता, एक भाई के रूप में निस्वार्थ प्रेम, एक पति के रूप में अटूट निष्ठा और एक राजा के रूप में प्रजा के प्रति समर्पण के शिखर थे। उनके जीवन का हर प्रसंग, चाहे वह पिता के वचनों को निभाने के लिए राजमहल का त्याग कर चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार करना हो, या शबरी के झूठे बेर खाकर सामाजिक समरसता का संदेश देना हो, हमें आत्मिक शुद्धता की ओर ले जाता है। रामनवमी का दिन हमें इसी आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों के एक अंश को भी उतार पा रहे हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में जब रावण के अत्याचारों से ऋषि-मुनि और देवगण त्राहि-त्राहि कर रहे थे, तब धर्म की रक्षा हेतु भगवान ने नर रूप धारण किया। रामनवमी का पर्व इसी दैवीय संकल्प की पूर्ति का दिन है। यह पर्व चैत्र नवरात्रि के समापन का भी प्रतीक है। नौ दिनों तक शक्ति की उपासना के बाद नवमी के दिन राम का प्राकट्य इस बात का संकेत है कि शक्ति जब मर्यादा और धर्म के साथ मिलती है, तभी कल्याणकारी 'रामराज्य' की स्थापना होती है। रामराज्य की परिकल्पना आज भी विश्व के लिए एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण है, जहाँ कोई दुखी नहीं था, कोई दरिद्र नहीं था और समाज का हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग था। रामनवमी हमें यह स्मरण कराती है कि शासन और समाज का आधार केवल दंड या भय नहीं, बल्कि प्रेम और न्याय होना चाहिए। रामनवमी के दिन भारतीय घरों और मंदिरों में एक अद्भुत वातावरण होता है। ब्रह्ममुहूर्त में स्नान और ध्यान के बाद भक्तगण व्रत का संकल्प लेते हैं। इस दिन रामायण और रामचरितमानस का अखंड पाठ विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। तुलसीदास जी की पंक्तियाँ जब घरों में गूँजती हैं, तो वातावरण में एक विशेष प्रकार की सात्विकता का समावेश हो जाता है। भगवान राम का जन्म दोपहर के ठीक बारह बजे माना जाता है, जिसे 'मध्याह्न' काल कहा जाता है। इस समय मंदिरों में शंख और घंटों की ध्वनि के बीच 'भये प्रगट कृपाला, दीनदयाला' की स्तुति की जाती है। शिशु राम को पालने में झुलाया जाता है और भक्तजन भाव-विभोर होकर उनके स्वागत में भजन गाते हैं। यह दृश्य भक्ति और श्रद्धा की पराकाष्ठा होता है, जहाँ भक्त अपने आराध्य के साथ एक अनूठा संबंध महसूस करता है।

भारत की सांस्कृतिक विविधता रामनवमी के आयोजन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उत्तर भारत में अयोध्या इस उत्सव का मुख्य केंद्र होती है, जहाँ सरयू नदी के तट पर लाखों श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। अयोध्या की गलियों में निकलने वाली शोभायात्राएं और झांकियां रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत कर देती हैं। वहीं दक्षिण भारत में, विशेष रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में, इस दिन को भगवान राम और माता सीता के विवाह के उत्सव (सीताराम कल्याणम) के रूप में भी मनाया जाता है। वहाँ के मंदिरों में भव्य विवाह अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जो दांपत्य जीवन की पवित्रता का संदेश देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी के मेलों का अपना अलग ही आकर्षण होता है, जहाँ लोक कलाकार रामलीला के माध्यम से भगवान की लीलाओं का मंचन करते हैं। यह विविधता दर्शाती है कि राम उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरे भारत की आत्मा में बसे हुए हैं। आधुनिक युग में जहाँ नैतिकता और मानवीय मूल्यों का ह्रास एक बड़ी चुनौती बन गया है, वहाँ रामनवमी की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। आज का मनुष्य भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों को भूलता जा रहा है। ऐसे समय में राम का चरित्र हमें यह याद दिलाता है कि सुख केवल सुविधाओं में नहीं, बल्कि त्याग और सेवा में है। राम ने अपने अधिकारों के लिए कभी युद्ध नहीं किया, बल्कि उन्होंने अपने कर्तव्यों की पूर्ति के लिए हर संघर्ष को सहर्ष स्वीकार किया। रामनवमी केवल मूर्ति पूजा का दिन नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के 'रावण' यानी ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को समाप्त करने का संकल्प लेने का दिन है। यदि हम अपने हृदय में राम के आदर्शों को स्थापित कर सकें, तो वही इस पर्व की सच्ची सार्थकता होगी।

रामनवमी का एक और महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक समरसता है। भगवान राम ने अपने वनवास काल के दौरान केवट, निषादराज और वानर-भालुओं को गले लगाया। उन्होंने समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान दिया और उसे अपना मित्र माना। यह संदेश आज के विभाजित समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। रामनवमी हमें सिखाती है कि धर्म जाति या ऊंच-नीच के भेदभाव को नहीं मानता। जब भक्त मंदिरों में एक साथ कतारबद्ध होकर खड़े होते हैं, तब वहाँ कोई अमीर-गरीब नहीं होता, केवल राम का भक्त होता है। यह पर्व आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। पर्यावरण और प्रकृति के प्रति राम का प्रेम भी वंदनीय है। उनका अधिकांश समय वनों में व्यतीत हुआ और उन्होंने प्रकृति को अपनी शक्ति बनाया। वर्तमान में रामनवमी के अवसर पर कई सामाजिक संगठन वृक्षारोपण और जल संरक्षण जैसे कार्यों की शुरुआत करते हैं, जो इस पौराणिक पर्व को आधुनिक सरोकारों से जोड़ते हैं। स्वच्छता अभियान और गरीबों को भोजन कराने जैसी सेवा प्रवृत्तियाँ इस पर्व के आध्यात्मिक पुण्य को सामाजिक हित में बदल देती हैं। यह देखना सुखद है कि नई पीढ़ी भी इस पर्व को केवल रीति-रिवाजों तक सीमित न रखकर इसे सेवा और जागरूकता का माध्यम बना रही है। अंततः, रामनवमी एक जीवन दर्शन है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का आह्वान करती है। यह हमें विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य सत्य के मार्ग पर अडिग रहता है, तो अंततः विजय उसी की होती है। श्री राम का नाम और उनके गुणगान में वह शक्ति है जो मन को शांति और आत्मा को बल प्रदान करती है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम न केवल राम के भक्त बनेंगे, बल्कि उनके बताए मार्ग के पथिक भी बनेंगे। जब हमारे विचारों में शुद्धता, वाणी में मधुरता और कर्मों में मर्यादा होगी, तभी हमारे जीवन में वास्तविक 'राम' का जन्म होगा। यह पर्व हमें हर वर्ष इसी आशा और विश्वास के साथ नई ऊर्जा प्रदान करता है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ प्रत्येक व्यक्ति 'राम' के समान आदर्शवादी और न्यायप्रिय हो सके। यही रामनवमी का शाश्वत संदेश है और यही इसकी सार्वभौमिक प्रासंगिकता है।

**महेन्द्र तिवारी**

**स्वामी-** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

# संक्षिप्त खबरें

## गुरबक्श गंज विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंचे अधीक्षण अभियंता प्रवीण कुमार

**रायबरेली** गुरबक्श गंज के 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेंद्र का अधीक्षण अभियंता प्रवीण कुमार ने औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई अधीक्षण अभियंता ने विद्युत उपकेंद्र का आर्डर, ट्रांसफार्मर, एमसी बॉक्स, तेल, और कर्मचारियों की सुरक्षा किट की जांच की, जो संतोषजनक पाए गए उन्होंने कहा कि जिले के सभी विद्युत उपकेंद्रो का निरीक्षण मार्च चलता रहेगा गैर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और उपभोक्ताओं के बकाया विद्युत बिल की वसूली पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा जिससे कि अधिकतम राजस्व की वसूली करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि गांव-गांव जाकर जिन लोगों का विद्युत शुल्क बकाया है, उन्हें जल्द जमा करने की अपील करें समय पर विद्युत बिल जमा ना करने वाले उपभोक्ताओं के निर्देश दिए इस दौरान अवर अभियंता सुनील कुमार पटेल, उमेश कुमार, विनोद कुमार, संजय, राम प्रकाश, लव कुश, बृजमोहन, रामेंद्र सिंह, आशकुमार अवस्थी, विनय पटेल, राजकुमार और धीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

### लखनऊ में बेकाबू बुलेरो ने मजदूर को कुचला, मौत; कार में सवार थे CMO

**लखनऊ।** टेढ़ी पुलिया फ्लाइओवर पर बुधवार रात तेज रफ्तार बुलेरो डिवाइडर पर चढ़ दी और मजदूर को कुचल दिया। हादसे में मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त गाड़ी में बलरामपुर अस्पताल के एसीएमओ अजय शुक्ला सवार थे, जो सुरक्षित बच गए। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया है। स्वास्थ्य विभाग में अनुबंध पर चल रही बुलेरो खुर्रमनगर की ओर से इंजीनियरिंग कालेज की तरफ जा रही थी। देर रात करीब 11 बजे चालक अचानक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई। डिवाइडर पर सो रहा मजदूर वाहन के नीचे फंस गया और कुछ दूरी तक घिसटता चला गया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण बुलेरो सड़क पर लहराने लगी थी, हालांकि कुछ दूर जाकर चालक ने वाहन संभाल लिया, जिससे वह पलटने से बच गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

## बेदखली सूचना

मैं रामकुमार पुत्र स्व : रंगीलाल, निवासी, प्राइमरी पाठशाला वार्ड, पचपेड़वा, थाना पचपेड़वा, जिला बलरामपुर का हूं, अपने पुत्र रिंकू के खराब चाल चलन के कारण उसे अपने समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं व रिंकू द्वारा किसी से वाद विवाद या आपराधिक मामला कारित होता है तो उसमें हमारी या परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी,रिंकू स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना कर्ता- रामकुमार पुत्र स्व: रंगीलाल, निवासी प्राइमरी पाठशाला वार्ड, पचपेड़वा, थाना पचपेड़वा, जिला बलरामपुर

# नवरात्रि में मिलावटखोरों पर खाद्य सुरक्षा विभाग का शिकंजा

● **नवाबगंज गल्ला मंडी में छापेमारी**

**स्वतंत्र प्रभात**

**बाराबंकी,** उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने नवरात्रि पर्व को देखते हुए मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में विभाग की टीम ने नवाबगंज तहसील की गल्ला मंडी और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की। टीम ने व्रत में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों जैसे साबूदाना, कुट्टू आटा समेत अन्य नमूनों को जांच के लिए भेजा है।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में 12 से 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। गल्ला मंडी में अमित इंटरप्राइजेज, हर्ष किराना स्टोर, ओम इंटरप्राइजेज, गोपाल ट्रेडर्स और जय ट्रेडर्स जैसी दुकानों पर विशेष फोकस रहा।

विभाग ने कुल 4 से 5 संदिग्ध नमूने एकत्र किए, जिनमें शामिल हैं:

- साबूदाना (अमित इंटरप्राइजेज और गोपाल ट्रेडर्स से)
- कुट्टू आटा (हर्ष किराना स्टोर से)
- छुआरा, किशमिश आदि अन्य व्रत सामग्री

ये सभी नमूने प्रयोगशाला में गुणवत्ता और मिलावट की जांच के लिए भेज दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद यदि मिलावट पाई जाती है तो संबंधित व्यापारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी के दौरान कई दुकानदारों को सुधार नोटिस जारी किए गए। टीम ने पैकेट बंद फलाहारी उत्पादों की एक्सपायरी डेट, लेबलिंग और निर्माता विवरण की भी जांच की। आम जनता को जागरूक करते हुए अधिकारियों ने सलाह दी कि व्रत के सामान खरीदते समय एक्सपायरी डेट और पैकिंग की अच्छी तरह जांच करें। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पाण्डेय और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम (अरुण कुमार, भगौती प्रसाद, पल्लवी तिवारी आदि) इस अभियान में शामिल रही।

**विभाग का संदेश:** नवरात्रि के दौरान व्रत वाले उत्पादों (कुट्टू आटा, सिंघाड़ा आटा, साबूदाना, मखाना आदि) की मांग बढ़ जाती है, जिसका फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व मिलावट कर सकते हैं। विभाग पूरे जिले में ऐसे अभियान जारी रखेगा ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो सके।

व्यापारियों में इस छापेमारी से हड़कंप मचा हुआ है। कई दुकानदारों ने सतर्कता बरतते हुए शटर भी गिरा दिए। विभाग ने चेतावनी दी है कि मिलावट पाए जाने पर न केवल सामान जब्त और नष्ट किया जाएगा बल्कि कानूनी कार्रवाई भी होगी। उपभोक्ता किसी भी संदिग्ध उत्पाद की शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग के हेल्पलाइन नंबर या स्थानीय कार्यालय में कर सकते हैं।

## जवाहरपुर चीनी मिल का पेराई सत्र आज होगा समाप्त

● **किसानों से शाम 5 बजे तक गन्ना आपूर्ति करने की अपील, मिल प्रबंधन ने जताया आभार**

**स्वतंत्र प्रभात**

**सीतापुर** जनपद स्थित डालमिया भारत शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड की यूनिट जवाहरपुर का पेराई सत्र 2025-26 शुक्रवार को समाप्त हो जाएगा। सत्र समापन को लेकर मिल प्रशासन द्वारा पिछले एक सप्ताह से गांव-गांव जाकर गाड़ियों के माध्यम से एनाउंसमेंट कर किसानों को समय से गन्ना आपूर्ति करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। चीनी मिल प्रबंधन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने सप्लाई योग्य गन्ने की आपूर्ति 27 मार्च 2026 को सायं 5 बजे तक हर हाल में कर दें। निर्धारित समय के बाद गन्ने के अभाव में मिल का संचालन बंद कर दिया जाएगा। चीनी मिल के अधिशासी निदेशक कुलदीप कुमार ने पेराई सत्र के दौरान किसानों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की निर्बाध आपूर्ति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी किसान इसी तरह सहयोग करते रहेंगे।

साथ ही उन्होंने किसानों से गन्ने की फसल की बेहतर देखभाल करने, विशेष रूप से पेड़ी गन्ने में निराई-गुड़ाई व संतुलित उर्वरकों के प्रयोग पर जोर देने की अपील की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (गन्ना) आजाद सिंह ने किसानों को अधिक से अधिक गन्ना बुवाई के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को गन्ना बीज की आवश्यकता हो, वे तत्काल चीनी मिल या गन्ना कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उक्त जानकारी जवाहरपुर चीनी मिल के मीडिया प्रभारी सुधीर सिंह ने जानकारी साझा की है।

### IPL 2026 का पूरा शेड्यूल जारी, लखनऊ में फिर होंगे 7 मुकाबले; क्रिकेट के रोमांच के लिए इकाना स्टेडियम तैयार

**लखनऊ।** टी-20 विश्व कप लुत्फ उठाने के बाद प्रशंसकों को दुनिया की सबसे बड़ी लीग आईपीएल का बेसब्री से इंतजार है। लीग की शुरुआत शनिवार को होगी। गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आईपीएल का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया। इसके पहले 11 अप्रैल तक के शुरुआती दौर के लिए 20 मैचों का कार्यक्रम तय था। अब जारी हुए नए शेड्यूल के मुताबिक, 13 अप्रैल से 24 मई के बीच देश के 12 स्टेडियम में कुल 50 मैच खेले जाएंगे। एलएसजी का घरेलू मैदान होने के चलते लखनऊ को एक बार फिर सात मैचों की मेजबानी मिली है। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम लीग के एक और रोमांचक सत्र के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सीईओ अंकित चटर्जी के अनुसार, इकाना स्टेडियम में तीसरा मुकाबला 22 अप्रैल एलएसजी और राजस्थान रायल्स के बीच खेला जाएगा, जबकि सीजन के आखिरी मैच में 23 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। हम इस बार भी टूर्नामेंट को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

## 'शहीद अष्टक के रूप में जनपद को मिली ऐतिहासिक काव्यकृति

**स्वतंत्र प्रभात**

**बिसवां (सीतापुर)।** जनपद की साहित्यिक धरती बिसवां से जुड़े वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार रामकृष्ण पाण्डेय 'संजय' ने 'शहीद अष्टक' नामक ऐतिहासिक काव्यकृति का सृजन कर सीतापुर के गौरवशाली इतिहास को नई पहचान दी है। यह कृति वर्ष 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान लालबाग में हुए गोलीकांड में शहीद हुए वीरों को समर्पित है, जिसे 'मिनी जलियांवाला बाग' के रूप में भी देखा जाता है। नैमिषारण्य स्थित कालीपीठ द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का विमोचन शीघ्र प्रस्तावित है। इस कृति की विशेषता यह है कि आजादी के बाद पहली बार इस ऐतिहासिक घटना पर स्वतंत्र काव्य संकलन तैयार किया गया है। घनाक्षरी छंदों में रचित इस पुस्तक में छह शहीदों के शौर्य का सजीव वर्णन किया गया है। साथ ही उत्तरार्द्ध में परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पाण्डेय की वीरता को भी श्रद्धापूर्वक स्थान दिया गया है। काव्य मंचों, आकाशवाणी व दूरदर्शन से जुड़े रामकृष्ण पाण्डेय 'संजय' की यह कृति शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि के साथ-साथ जनपद के इतिहास का महत्वपूर्ण दस्तावेज मानी जा रही है। पुस्तक की सराहना उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की। इस अवसर पर पांडे को सम्मानित भी किया गया। इस उपलब्धि पर नगरवासियों में हर्ष और उत्साह का माहौल है।

## बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर किया गया सम्मानित

**बिसवां (सीतापुर)** प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय राजाकरनाई में आयोजित वार्षिकोत्सव के अंतिम चरण में कक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी शिव मंगल वर्मा ने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने से बच्चों का आत्मबल बढ़ता है। साथ ही वे शिक्षा और शिक्षणेत्तर गतिविधियों में और अधिक उत्साह से भाग लेते हैं, जो उनके आगामी जीवन के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रवींद्र दीक्षित सहित अनवर हुसैन, शैवी अवस्थी, सुनील बाजपेई, अनूप भारती, सर्वेश वर्मा, मनीष शर्मा, वंदना वर्मा, स्नेहा गौतम, मीनू रावत, जिया अंसारी, नीलम कुमारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

# रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम के नारों से गूंजा कस्बा

**स्वतंत्र प्रभात**

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे में रामनवमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रभु श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिससे पूरे नगर का माहौल भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा रामलीला मैदान से शुरू होकर मेन रोड होते हुए बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। हाथों में भगवा झंडे लिए युवा जोश से भरे नजर आए। 'जय श्रीराम' के गगनभेदी नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। हनुमान मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। शोभायात्रा का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के पार्टी उपाध्यक्ष रामगोपाल त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं और आपसी एकता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में स्वामी दिव्यानंद, आरएसएस के जिला प्रचारक अजीत, सचिन रस्तोगी, उधम जायसवाल, इंद्रेश सिंह, अनिल शर्मा, पंकज पांडे, अजय बाबू पांडे, राहुल भदोरिया, सहित कई लोग मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, चंद्र प्रकाश पांडेय,राजेश निर्मल, मृत्युंजय बाजपेई समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु शामिल हुए।

# नवनिर्माण के 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी समापन के अवसर पर जनपद स्तरीय जायद उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन

**स्वतंत्र प्रभात**

**रायबरेली:-** उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र, रतापुर में 09 दिवसीय आयोजित मेले/प्रदर्शनी कार्यक्रम समापन के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय जायद उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आज जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी द्वारा कृषि विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों/कृषकों को पॉवर स्प्रेयर, बीज कीट एवं सोलर पम्प के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि उ0प्र0 सरकार के कार्यकाल के 09 वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुचाना व समाज के अन्तिम व्यक्ति तक उन योजनाओं का लाभ पहुचाना, जिससे कि कोई भी पात्र लाभ से वंचित न रहें।

उन्होंने कहा कि आज अंतिम दिवस पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कृषकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कृषको को लाभ दिया जा रहा है। किसानों की आय में बढ़ाने के लिए सरकार निरन्तर प्रयासरत है, किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार की बहुत सी योजनाएं संचालित की गई है। जनसामान्य उन योजनाओं की जानकारी ले व उसका लाभ उठायें। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने उपस्थित कृषिकों व लाभार्थियों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य इरफानुल्लाह खान, भूमि संरक्षण अधिकारी जगदीश यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक इफको विनोद कुमार सिंह, कौशल विकास मिशन प्रबंधक वंदना सिंह, कृषि वैज्ञानिक के0के0 सिंह, शिवेंद्र सिंह, संतोष सिंह चौहान, अनुज मौर्य सहित अन्य अधिकारी/लाभार्थी एवं कृषिकगण उपस्थित रहे।

# रामकथा के सप्तम दिवस पर राम विवाह व सीता स्वयंवर का भावपूर्ण वर्णन

**स्वतंत्र प्रभात**

**पचपेड़वा (बलरामपुर)।** विकास खंड पचपड़वा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरचावा स्थित समय माता मंदिर के प्रांगण में चल रही भव्य श्रीराम कथा के सप्तम दिवस पर पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक अयोध्या से पधारे आचार्य श्री रविकांत शास्त्री जी महाराज द्वारा भगवान श्रीराम विवाह एवं माता सीता स्वयंवर का अत्यंत मनोहारी और भावपूर्ण वर्णन किया गया। महाराज जी ने बताया कि जनकपुरी में आयोजित स्वयंवर में अनेक राजा-महाराजा उपस्थित हुए, लेकिन कोई भी भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाने में सफल नहीं हो सका। गुरु की आज्ञा से भगवान श्रीराम ने सहज भाव से धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई और धनुष भंग हो गया। इस अद्भुत लीला को देखकर पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज उठा।

इसके पश्चात माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डालकर उन्हें अपने पति के रूप में स्वीकार किया। जनकपुर में चारों ओर उत्सव का माहौल छा गया। कथा वाचक ने बताया कि राम-सीता विवाह केवल एक वैवाहिक प्रसंग नहीं, बल्कि धर्म, मर्यादा और आदर्श का दिव्य प्रतीक है। कथा के दौरान मंगल गीत, भजन और आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। विशेष रूप से अर्गन वादक मनीष मिश्रा की अहम भूमिका रही, जो अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर देते हैं। उनके भजन प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह व उमेश कुमार पाण्डेय जी के साथ रावेलाश विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य, नवीन सिंह, सुनील कुमार यादव कि गरिमामय उपस्थित रही

इस आयोजन में श्री आदिशक्ति समय माता मंदिर समिति के प्रबंधक सतीश चंद्र मिश्र की भूमिका सराहनीय रही, जिनके कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। इस अवसर पर व्यवस्थापक विनय पाठक, अजय शुक्ला, उपाध्यक्ष हरिराम प्रजापति, रामपाल यादव, सचिव गिरिजेश कुमार पांडे, संरक्षक अरुणदेव पाठक व अरुण कुमार चतुर्वेदी सहित विवेक कुमार, नीलम, संयोजक रवि गुप्ता, हरीराम प्रजापति, कल्लू नेता, विनय गुप्ता, बुद्धमान पेंटर, रामलौटन मौर्य समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह आठ दिवसीय श्रीराम कथा न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत कर रही है, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को भी सुदृढ़ बना रही है।

## लखनऊ में शुक्रवार को निकलेगी रामनवमी की धार्मिक भगवा यात्रा, शहर के इन रास्तों पर रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

**लखनऊ।** कपूरथला चौराहे से रामनवमी के अवसर पर 'रामनवमी की धार्मिक भगवा यात्रा' शुक्रवार शाम चार बजे से निकाली जाएगी जो देर शाम सात बजे खाटू श्याम मंदिर पर समाप्त होगी। धार्मिक यात्रा कई चौराहों व तिराहों से होकर गुजरेगी। इसे देखते हुए राजधानी के प्रमुख इलाकों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी डीसीपी यातायात रवीना त्यागी ने दी। उन्होंने बताया कि इमरजेंसी की स्थिति में ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर-9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

**यहां रहेगी रोक**

छन्नी लाल चौराहा से कपूरथला चौराहा की ओर।, नीरा नर्सिंग होम से कपूरथला चौराहा की तरफ।, निरालानगर मोड़ से कपूरथला चौराहा की ओर।, निरालानगर चौराहा नं-8 से निरालानगर ओवरब्रिज होते हुए अल्कापुरी तिराहा।, अल्कापुरी तिराहा से कपूरथला चौराहा की ओर।

बर्मा बिस्कुट तिराहा से कपूरथला चौराहा।

डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से पहले तिराहा से हसनगंज थाना होते हुए डालीगंज इक्का टांगा तिराहा।

डालीगंज इक्का टांगा तिराहा से डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग तिराहा।

सीडीआरआई तिराहा से शाहमीना रोड।

रूमी गेट से इमामबाडा की ओर।

कोनेश्वर चौराहे से चरक चौराहे की ओर।, फूलमंडी से चौक चौराहा।

हैदरगंज से नक्कास तिराहा।, केजीएमयू चौराहा से रकाबगंज।

चरक चौराहा से हैदरगंज तिराहा।, हनुमान सेतु तिराहा से सुशीला स्मृतिका चौराहा।, मिडलैंड हास्पिटल तिराहा से नीरा नर्सिंग होम होते हुए।

वायरलेस चौराहा होते हुए।, आईटी चौराहा होते हुए जा सकेंगे।, कपूरथला चौराहा होकर, पुरनिया चौराहा होते हुए।

बर्मा बिस्कुट तिराहा से दाहिने मुड़कर गीता वस्त्रालय तिराहा से पुनः दाहिने मुड़कर आईटी चौराहा होकर।, डालीगंज ओवरब्रिज होते हुए मदेयगंज होते हुए जा सकेंगे।

आईटी चौराहा होते हुए जा सकेंगे।

डालीगंज पुल चौराहा पिंक बूथ के सामने से मूंगफली मंडी होते हुए केजीएमयू चौराहा होते होकर।, नया पक्का पुल, टीले वाली मस्जिद होते हुए।,

नीबू पार्क होते हुए।

रूमी गेट कोनेश्वर होते हुए जा सकेंगे।

पुल के ऊपर से होते हुए नीबू पार्क तिराहा होते हुए जा सकेंगे।, चरक चौराहा होकर जा सकेंगे।, नक्खास ओवरब्रिज होकर।

सुभाष चौराहा होते हुए।

# मिशन शक्ति फेज 5 द्वितीय चरण के तहत जिले में अभियान

● **मिशन शक्ति टीम द्वारा बरगदवा थाना के पडियाताल का दिख असर**

**स्वतंत्र प्रभात**

**महराजगंज ब्यूरो।** नवरात्रि में पुलिस महकमा मिशन शक्ति फेज 5 के द्वितीय चरण में जागरूकता अभियान तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना बरगदवा क्षेत्र में जिले के पुलिस कप्तान सोमेंद्र मीणा के निर्देश पर 26.03.2026 को मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत मिशन शक्ति टीम द्वारा पडियाताल मंदिर पर महिलाओं एवं बच्चियों को सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के बारे में जागरूक किया गया।

**कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य**

महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना था। बालिकाओं एवं महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नं0 181 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' सखी-वन स्टॉप सेंटर' 'पॉस्को एक्ट' एवं 'मिशन शक्ति' से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, कार्यक्रम में बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाई गई व पंपलेट वितरित किया गया। तथा अन्य हेल्पलाइन नंबर 1090 1076 181 112 1930 आदि हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी जागरूक किया गया।

## कार्यालय ग्राम पंचायत रतनपुर विकासखंड गैसडी जनपद बलरामपुर

पत्रांक: मेमो/ग्रा0पं0 जीरामजी/राज्यवित्त आयोग-/2026-27 दिनांक: 27/03/2026

**अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना**

ग्राम पंचायत रतनपुर विकासखंड गैसडी जनपद बलरामपुर में जी राम जी चतुर्थ राज्यवित्त/सोलहवां केन्द्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन पेज-2 अभियान के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र अत्येष्टि स्थल ग्राम पंचायत में पेयजल, आपूर्ति फागिंग कार्य, साफ-सफाई, किट, सोलर लाइट, गौवंश पशु आश्रय स्थल भूसा चूनी चौकर इत्यादि R.R.C रोड निर्माण व सोखता गड्ढा एवं खाद गड्ढा कार्यो हेतु ईट प्रथम श्रेणी द्वितीय श्रेणी इंटरलॉकिंग में बालू सीमेन्ट मौरंग सरिया सूत/2 सूत पेन्ट वायरिंग ईट गिट्टी पत्थर ह्यूम पाइप हैंड पम्प मरम्मत / रिबोर सामग्री पाइप पेयजल योजना सामग्री इत्यादि के आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जानी है आपूर्ति हेतु निविदा दिनांक 27.03.2026 से 02.04.2026 तक सत्र 2026- 27 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन कब 15 दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बाक्स में डाली जायेगी धरोहर धनराशि पांच हजार होगी। माडल शाप-ग्राम लाइब्रेरी-कम्पोजिट विद्यालय प्राइमरी स्कूल मरम्मत।

**नियम/शर्ते-** 1. जिस आपूर्ति का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्ति द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दशा में ग्राम पंचायत आपको आदेश निरस्त करते हुए वारियता क्रम में अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतंत्र होगी। 2. फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है विगत तीन वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 7 माडल 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजदूगी में निविदा खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरे प्रस्तुत की जाये वह दरे जीएसटी तथा ढुलाई चढाई उतराई तथा अन्य करे जोड़कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी। 7. प्रस्तुत दरे पीडब्ल्यू द्वारा स्वीकृत दरो से अधिक नहीं होनी चाहिए। 8. स्वीकृत आपूर्ति को भुगतान तकनीकी/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा।

**कपिल देव**
**अध्यक्ष**
**ग्राम पंचायत रतनपुर विकासखंड**
**गैसडी जनपद बलरामपुर**

**सुशील कुमार पटेल**
**सचिव**
**ग्राम पंचायत रतनपुर विकासखंड**
**गैसडी जनपद बलरामपुर**

## संक्षिप्त खबरें

### जनता का प्रेम और विश्वास ही हमारी असली पूंजीः माता प्रसाद पांडेय

**सिद्धार्थनगर-** उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और इटवा विधानसभा से विधायक माता प्रसाद पांडेय के इटवा स्थित आवास पर गुरुवार को एक भव्य फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी संयुक्त रूप से नेता प्रतिपक्ष एवं इटवा ब्लॉक प्रमुख सूर्यमती पांडेय द्वारा की गई। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा रहा, बल्कि क्षेत्रीय सामाजिक और राजनीतिक संवाद के एक बड़े मंच के रूप में भी कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र से आए नागरिकों,प्रबुद्ध जनों और भारी संख्या में समर्थकों का तांता लगा रहा। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और ब्लॉक प्रमुख सूर्यमती पांडेय ने स्वयं आगंतुकों का स्वागत किया और उनसे कुशलक्षेम जानी। कार्यक्रम में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विभिन्न वर्गों के लोगों ने शिरकत की जो क्षेत्र में पांडेय परिवार की गहरी पैठ और लोकप्रियता को दर्शाता है। समर्थकों में अपने नेता के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। जलपान और फलाहार के साथ-साथ स्थानीय विकास और जनसमस्याओं पर भी अनौपचारिक चर्चाएँ हुईं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी भाईचारा मजबूत होता है और उन्हें अपने क्षेत्र की जनता के सीधे संपर्क में रहने का अवसर मिलता है। ब्लॉक प्रमुख सूर्यमती पांडेय ने भी आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

### दिल्ली में होटलों और प्रवासी मजदूरों की परेशानी खत्म, कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई 50 प्रतिशत तक बढ़ी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, दिल्ली सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर का आवंटन 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। अब यह 1800 से बढ़कर 4500 सिलेंडर (19 किलो) प्रतिदिन हो गया है। यह बढ़ी हुई सप्लाई तुरंत लागू हो गई है और इससे जरूरी सेवाओं, होटल, उद्योग और प्रवासी मजदूरों की जरूरतें बिना रुकावट पूरी होंगी। नई व्यवस्था के तहत एलपीजी वितरण को सात प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है, जिनके लिए कुल 4,500 सिलिंडर (19 किलो) प्रतिदिन तय किए गए हैं:- सप्लाई केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार की जा रही है, जिसमें पिछले तीन महीने की औसत खपत को आधार बनाया गया है और जरूरी सेक्टर को प्राथमिकता दी जा रही है।

**कड़ी निगरानी**

जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए माप तोल विभाग और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 70 संयुक्त टीमें पूरे दिल्ली में जांच कर रही हैं। नियम तोड़ने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, एलपीजी वितरण आदेश 2000 और भारतीय न्याय संहिता 2024 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सप्लाई सामान्य है और वितरण लगातार जारी है। दिल्ली के लोगों से अपील है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही उन्हें फैलाएं।

### पेट्रोल पर पांच और डीजल पर तीन रुपये लीटर बढ़े, नायरा एनर्जी के पंपों पर लागू हुआ नया रेट

**अलीगढ़।** पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ने शुरू हो गए हैं। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल पर पांच रुपये व डीजल पर तीन रुपये प्रति लीटर दाम बढ़ाए हैं। जिले में नायरा के 35 पेट्रोल पंप हैं। हजारों उपभोक्ताओं को इनसे तेल खरीदने पर अतिरिक्त राशि खर्च करने पड़ेगी। खैर रोड स्थित राधारमन फिलंग प्वाइंट के संचालक भरत अग्रवाल बताया कि देश में ईंधन की कीमतों में उछाल आया है। नायरा के सभी पंपों पर यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर उतार चढ़ाव व परिचालन लागत में बढ़ोत्तरी है। उन्होंने बताया कि इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। कई राज्यों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतार लग गई हैं।

# शासकीय कुषाभाउ ठाकरे जिला अस्पताल बना लूट का अड्डा

**● मरीज परेशान सिस्टम सवालों के घेरे में राजा सितलानी बेलगाम कार्यवाही की उम्मीद**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**शहडोल-** म.प्र. में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गम्भीर सवाल खड़े हो गए हैं, शासकीय कुषाभाउ ठाकरे जिला अस्पताल शहडोल में जो तस्वीरे और आरोप सामने आ रहे वे न सिर्फ चिंता जनक है बल्कि पूरे सिस्टम के कार्यषैली पर बड़ा प्रष्नचिन्ह लगा है। संसनीखेज में मेडिकल सर्टी फिकेट को लेकर अस्पताल में 2000 लेकर मेडिकल सर्टीफिकेट बनाए जाने की बात सामने आ रही है, यदि यह सच है तो यह सीधे सीधे गरीब मरीजों के अधिकारों और सरकारी व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है, जिला चिकित्सा अधिकारी निष्क्रिता का परिचय देकर डॉक्टरों के ऊपर कोई लगाम नही एवं जिला अस्पताल सी.एम.ओ. के उपर कोई जबावदेही नजर नही दिख रही।

ओ.पी.डी. से नदारत रहते है, डॉक्टर - राजा सितलानी की हाजिरी का पता नही न कोई मरीज की इंट्री वेतन किस आधार पर मिल रही हुई षिकायत सी.एम. तक अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर को लेकर भी गम्भीर सवाल उठ रहे है, बताया जा रहा कि वे अक्सर ओ.पी.डी. से नदारत रहने वाले डॉक्टरों में राजा सितलानी पुनीत हर्ष भूपेन्द्र जैसे सर्जन सामिल है। दूर दराज से आए मरीजों को घंटो भटकना पड़ता है, सरकारी अस्पतालों का मूल उद्देष्य आम जन को सुलभ लाभ देना यदि डॉक्टर ही उपलब्ध न हो, तो व्यवस्था का क्या औचित्य रह जाता है।

**कमरा नं. 12 राजनीति का अड्डा सी.एम.ओ. के नाक के नीचे**

**खुलेआम हो रहा नियम विरूद्ध काम**

अस्पताल के भीतर ही कमरा नं. 12 को लेकर भी चर्चाए तेज है, कि यहां इलाज से ज्यादा राजनीतिक अखाड़ा देखने को मिलता है। अगर अस्पताल के कमरे में इलाज की जगह डॉक्टर की आपसी प्रतिस्पर्धा सियाषी गतिविधियों का केन्द्र बन जाए तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मरीजों के साथ अन्याय भी है।

**ए.टीम बनाम बी.टीम के अस्पताल में खुलेआम दिख रही गुटबाजी,**

मुखविर सूत्रों के अनुसार अस्पताल में डाक्टरो के दो गुट सक्रिय बताए जा रहे है पर सी.एम.ओ. एवं जिला चिकित्सा अधिकारी के कान में न सुनाई देता, न दिखायी देता। ए टीम में पुनीत, राजा, हर्ष, और भूपेन्द्र शामिल है। वहीं बी टीम में अ.बी.अ. जैसे शब्दो वाले डॉक्टर बी टीम में मेहनतकष ओ.टी. के साथ आपरेषन थ्रियेटर में नजर आने के बाद ए टीम की धौस सुनते है।

**बिना पैसे आपरेषन नही**

प्रदेष के मुखिया एवं प्रभारी मंत्री तक पहुची षिकायत शीघ्र दिखेगा बदलाव सबसे गम्भीर आरोप यह है कि बिना पैसे आपरेषन ए टीम द्वारा नही हो रहे मरीजों को कथित तौर पर हलाकान किया जा रहा है, और अपने अपने प्रायवेट अस्पतालों में बुलाकर सजरी कराने का दबाव भी बनाया जा रहा, यदि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर निजी अस्पतालों की ओर मरीजों को मोड़ रहे है, तो यह आचार संहिता और सेवा भावना दोनों के खिलाफ है। दोनों टीम एक दूसरे पर आरोप लगाकर अस्पताल की सारी व्यवस्था पर अंकुष लगाने का प्रयास सी.एम.ओ. प्राथमिकता के तौर पर करना जरूरी है। वही जिला चिकित्सा अधिकारी शीघ्र संज्ञान में लेकर सच्चाई के आधार पर कार्यवाही करना न्याय संगत है।

सिस्टम से बड़े सवाल जिला चिकित्सा अधिकारी एवं एक चर्चित डॉक्टर सी.एम. के संज्ञान में यह पूरा मामला कई अहम सवाल खड़े करता है कि क्या जिला अस्पताल में भ्रष्टाचार की जड़े गहरी हो चुकी है, क्या गरीब मरीजों को जानबूझकर परेषान किया जा रहा है। क्या स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इन गतिविधियों की जानकारी है या नही सवाल ढेरों षिकायतों के बाद कार्यवाही न कर पनाह क्यो दिया जा रहा। जिम्मेदारों की जबावदेही जरूरी- यदि आरोपों में सच्चाई है तो यह सिर्फ एक अस्पताल का मामला नही बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चेतावनी है, जनता उम्मीद करती है कि स्वास्थ्य विभाग जिला प्रषासन और जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले की जॉच कर दोषियो पर कार्यवाही शीघ्र करे, न की दोषी एवं सेवा भाव का कार्य न करने के बाद चाटुकारिता एवं नियम विरूद्ध कार्य करने वालो के ऊपर प्रदेष के मुख्यमंत्री एवं पालक मंत्री तक बिन्दुवार जानकारी देकर कार्यवाही की उम्मीद जिले की जनता ने की है।

# बलिया में मां को बचाने उतरे बीटेक छात्र की मौतः रस्सी टूटने से कुएं में लगा सिर, गई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलिया।** बलिया जनपद के गड़वार थाना क्षेत्र के बड़सरी गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां मां को बचाने के प्रयास में एक होनहार बीटेक छात्र की जान चली गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, बड़सरी गांव निवासी छोटेलाल राम की पत्नी सुभावती देवी, जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है, बुधवार को घर से निकलकर गड़वार-रतसर मार्ग स्थित आरडी विद्यालय के पास पहुंच गईं। इसी दौरान वह अचानक पास के एक कुएं में गिर गईं।

जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने खोजबीन शुरू की। मौके पर मौजूद बच्चों ने कुएं से आवाज आने की बात बताई। परिजनों ने झांककर देखा तो सुभावती देवी कुएं में गिरी हुई थीं।

मां को बचाने के लिए उनके 23 वर्षीय बेटे मुन्ना ने बिना देर किए कुएं में छलांग लगा दी। उसने साहस दिखाते हुए रस्सी के सहारे मां को बांधकर ऊपर खींचवा दिया, जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि, जब मुन्ना को बाहर निकाला जा रहा था, तभी अचानक रस्सी टूट गई और उसका सिर कुएं की दीवार से जोर से टकरा गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय युवकों की मदद से मुन्ना को बाहर निकाला गया और तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मुन्ना ने वर्ष 2024 में लखनऊ से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

बड़ा भाई मन्नू राम दिल्ली में सीपीडब्ल्यूडी विभाग में जूनियर इंजीनियर है, जबकि छोटा भाई विवेक इलाहाबाद में सिविल सेवा की तैयारी कर रहा है। परिवार में चार बहनें भी हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार देर शाम मुन्ना का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मां बच गई, लेकिन बेटे की कुर्बानी ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया।

## मिशन शक्ति 5.0 के तहत पिपरी में महिलाओं को मिला सुरक्षा और स्वावलंबन का पाठ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नवाबगंज, गोंडाः** उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति अभियान 5.0 (द्वितीय चरण)' के तहत आज नवाबगंज थाना पुलिस ने ग्राम पिपरी में महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया। अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय और क्षेत्राधिकारी डॉ. उमेश्वर प्रभात सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना था।

शिविर में थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीम ने ग्राम पिपरी की महिलाओं और बालिकाओं को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू किए गए 'मिशन शक्ति अभियान 5.0' के बारे में विस्तृत जानकारी दी। टीम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों जैसे छेड़छाड़, शोषण, दहेज उत्पीड़न, बाल अपराध और एसिड अटैक जैसी घटनाओं पर रोक लगाना है।

विशेष जोर दिया गया हर थाने पर स्थापित 'मिशन शक्ति केंद्र' पर, जहां महिलाएं अपनी शिकायतें बिना किसी झिझक के दर्ज करा सकती हैं। उन्हें सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से भी अवगत कराया गया। टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को यूपी आपातकालीन सेवा-112, वीमेन पॉवर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, और एंबुलेंस सेवा 108 के बारे में विस्तार से समझाया।?शारीरिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, टीम ने गुड टच और बैड टच के बारे में भी बताया। महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए पैम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही, आज के दौर में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे अपनी ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति सतर्क रह सकें।

मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक अंतिमा सिंह, आरक्षी प्रांशी यादव और आरक्षी सुनीता कुशवाहा शामिल रहीं, जिन्होंने महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद कर उन्हें सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।?इस अवसर पर थानाध्यक्ष अभय सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य न केवल अपराधों को रोकना है बल्कि महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है और वे बिना किसी डर के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती हैं। ग्राम पिपरी की महिलाओं और बालिकाओं ने इस शिविर की सराहना की और इसे एक सकारात्मक पहल बताया।

## आजाद स्पोर्ट्स ने धोबहा हण्डिया को 6 विकेट से हराया

**सुरियावां** क्षेत्र के महर्षि आजाद स्टेडियम मेढ़ी में राइजिंग क्रिकेट अकादमी धोबहा प्रयागराज व आजाद स्पोर्ट्स क्लब मेढ़ी के बीच एक मैच खेला गया जिसमें टॉस धोबहां की टीम ने जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया निर्धारित 35 ओवर के मैच मे 29वे ओवर में सभी विकेट खोकर 148 रन बनाए जिसमें मंगेश यादव ने 31 रन, बंटी सिंह ने 22 रन व आदित्य ने 13 रनों का योगदान किया। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज विशेष कुछ खास नहीं कर सके। गेंदबाजी में आजाद स्पोर्ट्स क्लब की तरफ से अभिषेक कुमार व गौरव ने तीन-तीन विकेट विवेक गौतम ने दो विकेट तथा कुनाल सिंह व विजय कुमार ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में उतरी आजाद स्पोर्ट्स क्लब की टीम ने यश राजपूत व विशाल यादव की ठोस शुरुआत की बदौलत 21वे ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।12 वर्षीय यश राजपूत नाबाद 55 रनों की पारी खेली उसके अलावा विशाल यादव ने 28 रन, संदीप कुमार बिंद ने 24 रन व विजय कुमार ने 12 रन बनाए। धोबहां की तरफ से गेंदबाजी में सत्या, अजय, बीपीन व राजन को 1-1 विकेट मिले। मैच के निर्णायक की भूमिका में राजकुमार यादव व शिवांश पाण्डेय स्कोरर अभिषेक सिंह रहे।

### खंभे पर तार जोड़ते समय करंट से युवक की मौत, विभागीय जांच शुरू

**भदोही।** मोढ़ चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा लालीपुर निवासी परमेंद्र गौतम (25) की बिजली का तार जोड़ते समय करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। वह करियाव विद्युत उपकेंद्र पर बिजली विभाग के सहयोगी के रूप में कार्य करता था। बताया जाता है कि बुधवार देर शाम करीब 9 बजे लालीपुर फीडर के ग्राम सभा चकचंदा में तार टूटने की सूचना पर वह मरम्मत के लिए पहुंचा था। खंभे पर चढ़कर तार जोड़ने के दौरान उस समय लाइन बंद थी, लेकिन अचानक बिजली आपूर्ति चालू हो गई, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया और नीचे गिर पड़ा। मौके पर मौजूद दो युवकों ने गंभीर हालत में उसे मोटरसाइकिल से अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उपखंड अधिकारी पन्नालाल गौतम ने बताया कि मृतक विभाग का नियमित लाइनमैन नहीं था, बल्कि सहयोगी के रूप में कार्य करता था। उन्होंने कहा कि यह जांच कराई जा रही है कि किसकी लापरवाही से यह हादसा हुआ।

## श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा-विद्यानगर-आनिपुर सड़क की बदहाल स्थिति से जनता त्रस्त

**● जिम्मेदार विभाग मौन, जनता परेशान!**

**● PWD अधिकारियों की निष्क्रियता पर उठे सवाल।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमिः** श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा से विद्यानगर होते हुए आनिपुर तक जाने वाली महत्वपूर्ण सड़क लंबे समय से अत्यंत खराब और जर्जर स्थिति में है। मरम्मत और नियमित रखरखाव के अभाव में यह सड़क अब लगभग आवागमन के योग्य नहीं रह गई है। सड़क के अधिकांश हिस्से टूटकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं, जबकि कई स्थानों पर धूल और बालू का अत्यधिक जमाव देखने को मिल रहा है। हल्की हवा चलने पर भी धूल का गुबार उठता है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, मरीज, वरिष्ठ नागरिक और आम यात्री गुजरते हैं। ऐसी स्थिति में उनकी दैनिक यात्रा न केवल असुविधाजनक बल्कि अत्यंत जोखिमपूर्ण भी बन गई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग, विशेष रूप से PWD के अधिकारी, इस गंभीर समस्या पर लंबे समय से मौन बने हुए हैं। परिणामस्वरूप स्थिति दिन-प्रतिदिन और बिगड़ती जा रही है, जिससे आम जनता की परेशानी लगातार बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि सड़क की शीघ्र मरम्मत की जाए, धूल नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं तथा नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को जल्द राहत मिल सके।

# बलिया में प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रसूता की मौतः सिलसिला जारी ऑपरेशन के बाद बिगड़ी हालत, परिजनों का हंगामा और पथराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलिया** जनपद में प्राइवेट नर्सिंग होम में इलाज के दौरान एक और मौत का मामला सामने आया है। जिराबस्ती स्थित आकाश नर्सिंग होम में ऑपरेशन के बाद 22 वर्षीय प्रसूता कुसुम राजभर की वाराणसी ले जाते समय मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और सड़क जाम करने का प्रयास किया।

**क्या है पूरा मामला**

जानकारी के अनुसार, सुखपुरा थाना क्षेत्र के सुलतानपुर गांव निवासी कुसुम राजभर को बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक आशा कार्यकर्ता द्वारा आकाश नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। उनके साथ उनकी सास भी मौजूद थीं।

बताया जा रहा है कि रात करीब 9 बजे डॉक्टरों ने प्रसूता का ऑपरेशन किया, लेकिन ऑपरेशन के तुरंत बाद ही उनकी हालत बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, वाराणसी पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बीच नवजात शिशु सुरक्षित बताया जा रहा है।

**परिजनों का हंगामा और सड़क जाम**

घटना से गुस्साए परिजनों ने गुरुवार को अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने बलिया-सुखपुरा मार्ग को जाम करने का प्रयास किया, जिससे यातायात प्रभावित होने लगा।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम खत्म कराया। इसके बावजूद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के गेट पर ईंट-पत्थर फेंककर अपना आक्रोश जाहिर किया।

**पुलिस ने संभाला मोर्चा**

मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया और परिजनों को शांत कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

**स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर उठे सवाल**

इस घटना के बाद एक बार फिर जिले में प्राइवेट नर्सिंग होम की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

## दुर्गा सप्तशती के हवन के साथ अखंड भंडारा का समापन आज

**● नवरात्रि में पुण्य कार्य कर धर्म का ध्वजा रोहण कर गया शर्मा परिवार**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**शहडोल बिरसिंहपुर पाली-** नवरात्रि महापर्व में नगर के धर्मज्ञ पुरुष धीरेन्द्र शर्मा का परिवार ने नवरात्रि पर्व पर दुर्गा सप्तशती के पाठ के साथ ही अखंड भंडारा का विशाल आयोजन किया और उसे आखिरी तक निभाया है,इस महान पुण्य दायी कर्म से धर्म ध्वज का झंण्डा शिखर पर फहरा रहा है, जिसकी कीर्ति चहुं ओर फहरा रही है और इस पुण्य कार्य की सर्वत्र सराहना की जा रही है। विदित होवे की पाली नगर में सिंहासनारूढ़ माँ जगत जननी बिरासनी देवी का मंदिर में दुनिया भर में मशहूर है, जहाँ पर लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन माता के दर्शन के लिए पहुंचते है, दूर दूर से माता के आस्था वान श्रद्धालुओं को ठंडक पहुंचा कर अपने हाथों से परोसते हुए जिस आत्मीयता और उदारता से लोगों को प्रसाद खिलाया है उसकी कीर्ति चहुओर फैल रही है और लोगों ने इस महान पुण्य दायी कार्य के लिए उन्हें साधू वाद दिया है। अखंड भंडारा का आयोजन नवरात्रि के प्रथम दिवस प्रतिपदा से शुरू हो कर नवमी तक अनवरत रूप से चला, आज दुर्गा सप्तशती के पाठ, हवन के साथ भंडारा का समापन देर रात हो जायेगा। नवमी में कलश विर्सजन होता है, जिसके लिए विशेष व्यवस्था की गयी है ताकि सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद सहजता से सुलभ कराया जा सकें।

इस भंडारा कार्यक्रम में एक और खासियत देखने में आयी जो अन्य भंडारों में कम ही देखने को मिलती है वह थी की भंडारा में पाली नगर के सभी वर्गों को अलग अलग आमंत्रित कर भोजन कराना और उनको प्रतीक स्वरूप उपहार और कुछ मुद्रा दान करने की शर्मा परिवार को अन्य आयोजनों से अलग कर गयी ?। आपने नगर पालिका परिषद के पंचमी को शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग , व्यापारी वर्ग,और गणमान्य नागरिकों को आमन्त्रित कर उनको भोजन करा उनका सम्मान किया गया षष्ठी को नगर पालिका परिषद पाली के अधिकारी कर्मचारी और सफाई कर्मियों को निमंत्रण कर प्रसाद पश्चात तिलक कर प्रतीक चिह्न और लिफाफे भेंट किया गया।आज अष्टमी को महिला बाल विकास विभाग और नगर की विधवा, अनाथ, असहाय महिलाओं को भोजन कराने के बाद साड़ी, और लिफाफा देकर सम्मान किया गया। इस तरह नवरात्रि के पावन अवसर पर शर्मा परिवार ने जो पुण्य कर्म किया, वह समाज के लिए अनुकरणीय बनी हुई है।

## नव वर्ष की टीएलएम प्रदर्शनी में शिक्षकों की भागीदारी

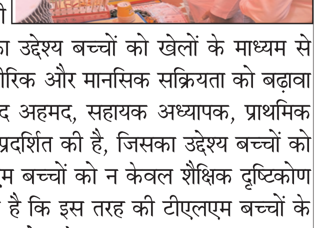

**भदोहीः-** प्राथमिक विद्यालय डोमनपुर औराई के सहायक अध्यापक शिव सागर पाल और प्राथमिक विद्यालय तुलसीपुर औराई के सहायक अध्यापक सज्जाद अहमद ने नव वर्ष की टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा तैयार की गई नवीनतम और प्रभावी टीएलएम का प्रदर्शन करना था, जो बच्चों के कौशल विकास और उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हो। शिव सागर पाल ने अपने परिचय में कहा, 'मैं शिव सागर पाल, सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय डोमनपुर, औराई, भदोही हूं। इस प्रदर्शनी में मैंने 'खेल-खेल में शिक्षा' के तहत एक टीएलएम प्रदर्शित की है, जिसका उद्देश्य बच्चों को खेलों के माध्यम से गणना, वर्णमाला और अन्य बुनियादी शैक्षिक कौशल सिखाना है। यह टीएलएम बच्चों की शारीरिक और मानसिक सक्रियता को बढ़ावा देती है, साथ ही शिक्षा को मनोरंजक बनाती है।' वहीं सज्जाद अहमद ने कहा, 'मैं सज्जाद अहमद, सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय तुलसीपुर, औराई, भदोही हूं। इस प्रदर्शनी में मैंने 'नवाचार' के तहत एक टीएलएम प्रदर्शित की है, जिसका उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल विकसित करने में मदद करना है। यह टीएलएम बच्चों को न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं में भी सक्षम बनाती है।' इन दोनों शिक्षकों का मानना है कि इस तरह की टीएलएम बच्चों के शिक्षा के अनुभव को और भी प्रभावी और रोचक बना सकती है, जिससे उनका समग्र विकास हो सके।